**क्रांति समय**
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
# क्रांति समय

Tc.No.: GUJHIN00722

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 141, शुक्रवार, 15 जून 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1


## सार समाचार

### इलाहाबाद से लखनऊ-पटना के लिए विमान सेवा शुरू

**इलाहाबाद ( एजेंसी )।** इलाहाबाद से लखनऊ-पटना के लिए विमान सेवा शुरू 1 / 3इलाहाबाद से लखनऊ और पटना के लिए नियमित विमान सेवा शुरू हो गई। गुरुवार को उत्तर प्रदेश के नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने फीता काटकर विमान सेवा का उद्घाटन किया। मंत्री की मौजूदगी में 64...इलाहाबाद से लखनऊ और पटना के लिए नियमित विमान सेवा शुरू हो गई। गुरुवार को उत्तर प्रदेश के नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने फीता काटकर विमान सेवा का उद्घाटन किया। मंत्री की मौजूदगी में 64 यात्रियों को लेकर जेट एयरवेज का विमान लखनऊ रवाना हुआ। छोटे और नजदीकी शहरों को विमान सेवा से जोड़ने की बहुप्रतीक्षित योजना गुरुवार को साकार हुआ जब इलाहाबाद-लखनऊ और इलाहाबाद-पटना की विमान सेवा शुरू हो गई। चारों धर्मों के आचार्यों की मौजूदगी में नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने विमान सेवा की विधिवत शुरुआत की। गुरुवार को सुबह ही यात्रियों को लेकर पटना से विमान इलाहाबाद पहुंचा। दोपहर में इलाहाबाद से लखनऊ के लिए रवाना हुआ। इस मौके पर महापौर अभिलाषा गुप्ता, एडीजी एसएन साबत, कमिश्नर डॉ. आशीष गोयल, डीएम सुहास एलवाई, जेट एयरवेज के डिप्टी सीईओ अमित अग्रवाल, डीजीएम गौरव साहनी आदि मौजूद रहे। इसके बाद मंत्री निर्माणाधीन नए टर्मिनल का निरीक्षण करने पहुंचे।

### पूरक परीक्षा को बोर्ड ने स्कूलों से मांगी सूची

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने संबद्ध स्कूलों से पूरक परीक्षा (कंपार्टमेंट एग्जाम) के लिए विद्यार्थियों की सूची मांगी है। सीबीएसई की ओर से जारी किये गये एक परिपत्र में परीक्षा नियंत्रक की ओर से कहा गया है कि स्कूल प्रमुख पूरक परीक्षा के लिये योग्य विद्यार्थियों की सूची बोर्ड की उपलब्ध करायें। बोर्ड से मार्च में संस्थागत तरीके से परीक्षा देने वाले 10वीं और 12वीं के छात्रों की पूरक परीक्षा जुलाई में होगी और उनका प्रवेश पत्र जुलाई के दूसरे सप्ताह में उपलब्ध करा दिया जाएगा। इसके लिये छात्रों से प्रति विषय दो सौ रुपये परीक्षा शुल्क के रूप में लिये जाएंगे। और 21 जून तक बिना विलंब शुल्क के परीक्षा के लिये पंजीकरण कराया जा सकेगा। परिपत्र में कहा गया है कि प्राइवेट परीक्षार्थियों को स्वयं की ऑनलाइन फार्म भरना होगा। फार्म भरने के लिये प्राइवेट छात्रों को रोल नंबर, स्कूल नंबर, और सेंटर नंबर का प्रयोग करना होगा, वहीं परीक्षा शुल्क दो सौ रुपये प्रति विषय ही भरना होगा। बोर्ड के परिपत्र में कहा गया है कि सभी क्षेत्रों के लिये हेल्पलाइन नंबर दिये गये हैं, जिसपर छात्र अपनी शंकाओं का समाधान पा सकेंगे।

### लालबहादुर की सऊदी से वतन वापसी में जुटा प्रशासन

**गोरखपुर ( एजेंसी )।** सऊदी अरब के रियाद शहर में फंसे पिपराइच थाना क्षेत्र स्थित उस्का गांव निवासी लाल बहादुर के परिवारीजनों को भारतीय दूतावास से आए जवाब ने थोड़ी राहत पहुंचाई है। मानव सेवा संस्थान के निदेशक राजेश मणि द्वारा किए गए ट्वीट पर दूतावास से जवाब है...लालबहादुर का मामला संज्ञान में है। उनके भारत लौटाने की कोशिश की जा रही है। बुधवार के अंक में छपी खबर 'सउदी में फंसे पिपराइच के लालबहादुर, देश लाने की गुहार' पढ़कर मानव सेवा संस्थान के निदेशक राजेश मणि ने विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को खबर मेल कर दी। साथ ही भारत में स्थित सउदी दूतावास तथा सउदी स्थित भारतीय दूतावास में भेजा। ट्वीटर पर तीनों कार्यालयों में जानकारी दी। बतौर राजेश मणि सउदी स्थित भारतीय दूतावास से री-ट्वीट किया गया है... लालबहादुर का मामला संज्ञान में है। उन्हें भारत लौटाने की पहल की जा रही है। यह ट्वीट मिलने के बाद राजेश मणि ने लालबहादुर के परिवारीजनों को सूचना दी है। लालबहादुर की पत्नी और बच्चों ने इस सूचना से राहत महसूस की है। यह है मामला पिपराइच के उसका गांव निवासी लाल बहादुर यादव 28 मई 2017 को सऊदी अरब गए। वह मामल दुनिया अलहाला कम्पनी में काम कर रहे थे। तीन महीने बाद कम्पनी बंद हो गई। कम्पनी को किसी ने खरीद लिया। नए कम्पनी में काम करने गए लेकिन उन्हें काम नहीं मिला। कम्पनी ने उनका पासपोर्ट और वीजा नहीं दिया। वह सऊदी में स्थित भारतीय दूतावास का चक्कर काट रहे हैं।

*साहित्य अकादमी के वृत्तचित्र उत्सव में भाग लेते साहित्य जगत से जुड़े लोग व पत्रकार आदि।*

**बैठक में कन्नौज की सांसद डिंपल यादव भी मौजूद रहीं। अखिलेश यादव ने कहा कि वह लोकसभा चुनाव गठबंधन के साथ लड़ेंगे। जल्द ही सीटों का बंटवारा हो जाएगा।**

## यूपी :अखिलेश यादव कन्नौज और मुलायम मैनपुरी से लड़ेंगे लोकसभा चुनाव

**लखनऊ ( एजेंसी )।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज सपा प्रदेश मुख्यालय पर कन्नौज के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में कन्नौज की सांसद डिंपल यादव भी मौजूद रहीं। अखिलेश यादव ने कहा कि वह लोकसभा चुनाव गठबंधन के साथ लड़ेंगे। जल्द ही सीटों का बंटवारा हो जाएगा। लोकसभा की सीट चाहे जिसके खाते में जाए ,लेकिन समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी होगी कि वह अपना बूथ जिताएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि इस बार डिंपल कन्नौज लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। मैं कन्नौज लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ूंगा और नेताजी मुलायम सिंह यादव मैनपुरी से लड़ेंगे। हम लोग सब मिलकर नेताजी को मैनपुरी से भारी मतों से चुनाव जीताएंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हाल ही में हुए लोकसभा के उपचुनाव में हमने भाजपा को रणनीति और चुनाव दोनों में हराया है। आगे भी हम भाजपा को हराने के लिए रणनीति बनाएंगे।

## बरेली: 10वीं की छात्रा के साथ दुष्कर्म मामले में अध्यापक गिरफ्तार

**बरेली ( एजेंसी )।** बरेली में कक्षा 10 की छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म के मामले में एक प्रोफेसर को गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता परिवार ने बुधवार रात को दुष्कर्म की तहरीर दी थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पाक्सो समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आपको बता दें कि दीपक सक्सेना एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में साहयक प्रोफेसर है और शाहबाद दीवानखाना में वह दीपक सरस्वती कॉमर्स कोचिंग इंस्टीट्यूट चलाता है। हाईस्कूल में पढ़ने वाली 15 साल की छात्रा ने अक्टूबर 2017 में दीपक सेक्सेना के कोचिंग में प्रवेश लिया था। आरोप है कि दीपक ने पहली बार 17 नवंबर 2017 को छात्रा के साथ कथित रूप से दुष्कर्म किया था। लड़की ने इस बारे में परिजनों से कुछ भी नहीं बताया क्योंकि उसे उसके माता-पिता को जान से मारने की धमकी दी गई थी। लेकिन सात माह का गर्भ होने पर छात्रा की तबीयत बिगड़ी तो परिजनों को पूरे मामले का पता चला। जिसके बाद पीड़ित परिवार की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी दीपक सक्सेना को गिरफ्तार कर लिया। बरेली के एसपी सिटी अभिनन्दन सिंह ने बताया कि छात्रा के बयान के आधार पर प्रेमनगर थाने में कोचिंग टीचर दीपक के खिलाफ पाक्सो समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

### »» केंद्र ने दिया 15 दिन का अतिरिक्त समय

## पतंजलि के काम आई योगी सरकार की सिफारिश

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में 6000 करोड़ रुपये के प्रस्तावित मेगा फूड पार्क बनाने की अंतिम मंजूरी के लिए पतंजलि आयुर्वेद को 15 दिन का अतिरिक्त समय मिला है। पतंजलि को यह समय भूमि अधिग्रहण जैसी शर्तों को पूरा करने को लेकर दिया गया है। आवश्यक शर्तों को पूरा करने की समयसीमा कल यानी 15 जून को समाप्त हो रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय से पतंजलि को अधिक समय देने तथा समयसीमा को 30 जून तक बढ़ाने का अनुरोध किया था। खाद्य प्रसंस्करण सचिव जे.पी. मीणा ने कहा, 'चूंकि कंपनी पहले ही कदम उठा रही है और शर्तों को पूरा करने के लिए 15 दिन के अतिरिक्त समय की मांग की है, मंत्रालय अनुरोध के हिसाब से समय दे देगा। इसमें कोई दिक्कत ही नहीं है। उन्होंने कहा कि मुद्दे को मंत्रालय की स्वीकृति समिति के सामने रखा जाएगा। मीणा ने कहा, 'हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि परियोजना शुरू हो। हम इसे रद्द करने का कारण नहीं खोज रहे हैं। हम अतिरिक्त 15 दिन का समय देंगे। बता दें कि पतंजलि ने यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे 425 एकड़ जमीन में 6000 करोड़ रुपये की लागत से फूड पार्क बनाने का प्रस्ताव दिया था।

# अकबर नहीं महाराणा प्रताप महान थे : योगी

**लखनऊ ( एजेंसी )।** अतीत से भटका समाज कभी अपने उज्ज्वल भविष्य का आधार नहीं रख सकता। हमारा अतीत ही हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। विपरीत परिस्थितियों में भी देशभक्ति, शौर्य, पराक्रम, साहस, त्याग जिसने पूरे देश के सामने प्रस्तुत किया वह नाम महाराणा प्रताप का ही है। ये बातें वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर अवध प्रहरी (पाक्षिक) की ओर से प्रकाशित युवा शौर्य विशेषांक के लोकार्पण पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। गुरुवार को आईएमआरटी इंजीनियरिंग कॉलेज विपुलखंड गोमतीनगर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अकबर के दूतों को राणा प्रताप ने दो टूक कहा था कि विदेशी और विधर्मी को हम अपना बादशाह नहीं स्वीकार कर सकते। महाराणा प्रताप के सामने अकबर का एक संदेश था कि वे एक बार बादशाह स्वीकार कर लें। ये संदेश ले जाने वालों में जयपुर के राजा मान सिंह भी थे। महाराणा प्रताप ने इसे एक बार भी स्वीकार नहीं किया। अधर्मी, विदेशी को महाराणा प्रताप ने बादशाह स्वीकार नहीं किया। अकबर के साथ स्वाभिमान,

सम्मान गिरवी रखने वाले राजा भी थे लेकिन महाराणा प्रताप ने स्वाभिमान, सम्मान को अपने छोटे से राज्य के साथ जीवित रखा। यही कारण है 500 साल बाद भी लोग महाराणा प्रताप को याद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने अकबर की शर्त मान ली होती तो क्या आज मेवाड़ को हम स्वाभिमान का प्रतीक मान रहे होते। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि महान अकबर नहीं महान महाराणा प्रताप थे जिन्होंने उस काल मे भी स्वाभिमान सम्मान बनाए रखा। इतिहास में ऐसा उदाहरण मिलना विरला है। वनवासी समाज आज भी अपने को राणाप्रताप का वंशज मानते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे महापरुषों से प्रेरणा लेकर समाज अपने भावी जीवन को सुरक्षित बना सकता है।

**समाज जागरण का काम कर रहीं पत्र-पत्रिकाएं**

इससे पहले कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेन्द्र ठाकुर ने बताया कि पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से संघ समाज जागरण का काम काफी समय से कर रहा है। तीन लाख से अधिक गांव में एक ही विचार को लेकर पत्रिकाओं को पहुंचा रहे हें। उन्होंने भी कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन सार्थक जीवन जीने के लिये प्रेरित करता है। वे कभी रुके नहीं, कभी झुके नहीं, गुलामी को स्वीकारा नहीं और उच्च आदर्श हमेशा जीवन में रखे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतथि एससीएसटी आयोग के अध्यक्ष बृजलाल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेधज टेक्नो कांसेप्ट प्राईवेट लिमिटेड के सीएमडी समीर त्रिपाठी ने की। अवध प्रहरी के सम्पादक शिवबली विश्वकर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रांत के प्रचार प्रमुख डॉ. अशोक दुबे, सह प्रांत प्रचार प्रमुख लोकनाथ, सह प्रांत प्रचार प्रमुख दिवाकर अवस्थी समेत कई लोग मौजूद रहे।

### »» 7 महीने की गर्भवती है छात्रा

## 15 साल की लड़की से रेप करने में दोषी निकला प्रोफेसर,

**बरेली।** बरेली शहर के प्रेमनगर क्षेत्र में कोचिंग संस्थान चलाने वाले एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के सहायक प्रोफेसर को कक्षा दस में पढ़ने वाली 15 साल की छात्रा से कथित दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

सात माह का गर्भ होने पर छात्रा की तबीयत बिगड़ी तो परिजनों को पूरे मामले का पता चला। पीड़ित परिवार ने कल रात इस मामले की तहरीर दी। आरोपी के खिलाफ पाक्सो समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने उसे कल रात ही गिरफ्तार कर लिया। शहर के थाना प्रेमनगर के गुलाबनगर में चेतराम फाटक निवासी दीपक सक्सेना निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में सहायक प्रोफेसर है। शाहबाद दीवानखाना में वह दीपक सरस्वती कॉमर्स कोचिंग इंस्टीट्यूट चलाता है। हाईस्कूल में पढ़ने वाली पंद्रह वर्षीय छात्रा ने अक्टूबर 2017 में कोचिंग में प्रवेश लिया था। आरोप है कि दीपक ने पहली बार 17 नवंबर 2017 को छात्रा के साथ कथित रूप से दुष्कर्म किया था। लड़की ने इस बारे में कुछ भी नहीं बताया क्योंकि उसे उसके माता-पिता को जान से मारने की धमकी दी गयी थी। बरेली के एसपी सिटी अभिनन्दन सिंह ने बताया कि छात्रा के बयान के आधार पर प्रेमनगर थाने में कोचिंग टीचर दीपक के खिलाफ पाक्सो समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

### गाजीपुर: गर्म तेल की कढ़ाई में गिरा मासूम, मौत

**गाजीपुर।** उत्तर प्रदेश के गाजीपुर स्थित दिलदारनगर क्षेत्र के गजरहीं गांव में एक चार साल की मासूम तेल की कढ़ाई में गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। बुधवार शाम एक तिलकोत्सव का कार्यक्रम के दौरान रामकांत राय के घर ननिहाल आई चार की ब्यूटी छत से अचानक नीचे तेल की कढ़ाई में जा गिरी। कढ़ाई में गिरते ही वहां मौजूद हलवाई बोलबम ने अपने हाथों से तुरंत उसे बाहर निकाला। ब्यूटी पूरी तरह से झुलस चुकी थी वही बोलबम का हाथ भी काफी झुलस गये। तिलकोत्सव के दौरान हुए इस हादसे से वहां पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दिलदारनगर अस्पताल पहुंचाया जहां बच्ची ब्यूटी की मौत हो गई जबकि झुलसे बोलबम का इलाज किया जा रहा है।

# प्रेमिका की हत्या कर लाश के साथ 72 घंटे तक रहा प्रेमी

**ट्रांस हिंडन ( एजेंसी )।** खोड़ा में ट्राली बैग में शव मिलने के मामले में युवती के हत्यारोपी ने सनसनीखेज खुलासा किया है। युवक का कहना है कि नौ जून की रात 12 बजे उसका युवती से झगड़ा हुआ था।

गुस्से में उसने घर में रखे चाकू से वार कर युवती की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद 72 घंटे तक वह घर में ही शव के साथ रहा। 12 जून की रात वह शव को ठिकाने लगाने ले जा रहा था। तभी पड़ोसी ने देखकर उससे पूछ लिया।

घबराकर वह शव भरे बैग को कार में ही छोड़कर भाग गया। मंगलवार रात 12:30 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि खोड़ा की वंदना एंक्लेव में कार में एक ट्रॉली बैग रखा है जिसमें से बदबू आ रही है। बैग लेकर जा रहा युवक मौके से फरार हो गया था।

मौके पर पहुंची पुलिस ने बैग खोलकर देखा तो उसमें एक युवती की लाश मिली। युवक और युवती दोनों लुधियाना के रहने वाले थे। दोनों बीते 6 माह से लिव इन रिलेशनशिप में खोड़ा में रह रहे थे। युवती इंदिरापुरम स्थित हैबीटेट सेंटर के एक सैलून में काम करती थी जबकि युवक नोएडा सेक्टर-10 में एक मोबाइल कंपनी के कस्टमर सेंटर पर काम करता है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की तो कई चौंकाने वाली जानकारी सामने आई।

पुलिस की गिरफ्त में आए लुधियाना निवासी शिवम बिरदी ने बताया कि ज्योति वर्मा(26) से उसकी मुलाकात 2 साल पहले लुधियाना में एक सैलून के बाहर हुई थी। दोनों में दोस्ती होने के बाद इश्क हुआ।

बीते साल अगस्त में युवक की नौकरी नोएडा में मोबाइल कंपनी के कस्टमर केयर सेंटर पर लगी तो अक्तूबर में उसने युवती को भी अपने पास बुला लिया। युवती की नौकरी इंदिरापुरम के एक सैलून में लग गई। कुछ दिन तक दोनों में सबकुछ ठीक रहा उसके बाद दोनों में झगड़े होने लगे। युवक का कहना है कि ज्योति अक्सर देरी से घर आती थी। वह रात को कई बार देरी से आता था तो वह झगड़ा करती थी। दोनों में अक्सर देरी से रात को घर आने पर झगड़े होते थे।

शिवम बिरदी का कहना है कि 9 जून की रात को ज्योति देरी से घर आई तो उसने वजह पूछी। इसी बात पर दोनों में झगड़ा हो गया। इसके बाद उसने घर में रखे चाकू से ज्योति की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद उसने शव को बाथरूम में डाल दिया। हत्या के बाद उसकी कुछ समझ नहीं आया तो शव को ठिकाने लगाने की योजना बनाई। घर में रखे ट्राली बैग में उसने ज्योति का शव ठूंसकर रख दिया फिर किराए पर एक कार मंगाई। उसकी योजना ज्योति के शव को लुधियाना ले जाने की थी। लेकिन कार में बैग रखते ही उसे देख लिया और वह मौके पर बैग छोड़कर भाग गया। ज्योति के भाई की शिकायत पर पुलिस ने शिवम के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है।

**दोनों के वेतन में भारी अंतर**

शिवम को जहां 14 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता है वहीं ज्योति का वेतन 22 हजार रुपये महीना था। दोनों में कमाई को लेकर भी झगड़ा होता था। शिवम का कहना है कि वह बिना वजह देरी से रात को घर आती थी इससे उसे ज्यादा गुस्सा आता था।

**परिजनों को लिव इन रिलेशनशिप की जानकारी नहीं**

ज्योति के शव को लेकर लुधियाना जा रहे उसके भाई लोधी सिंह वर्मा का कहना है कि ज्योति ने कभी नहीं बताया कि वह किसी युवक के साथ गाजियाबाद में लिव इन रिलेशनशिप में रहती थी। ज्योति ने अपने घर बताया था कि वह किसी लड़की के साथ दिल्ली में रहती है और एक सैलून पर काम करती है। परिजनों को 6 माह में कभी दिल्ली आना भी नहीं हुआ। उसकी हत्या की जानकारी मिलने के बाद पूरा परिवार सकते में है। ज्योति के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। वह 2 भाई और 5 बहनें थीं।

**बदबू ना आए इसलिए रोज अगरबत्ती जलाई**

शिवम का कहना है कि शव से बदबू आने पर उसने कमरे में अगरबत्ती जलानी शुरु की। लेकिन बदबू बढ़ती ही जा रही थी। भीषण गर्मी के कारण शव की स्थिति बेहद खराब हो गई थी। पुलिस को ट्राली बैग से शव निकालने में भी मुश्किल आई।

## संपादकीय

# दिल्ली का विवाद

दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार और उप-राज्यपाल के बीच लंबे समय से चली आ रही खींचतान और जुबानी जंग जिस मुकाम पर पहुंच चुकी है, उसे जल्द ही किसी ठौर बैठना होगा। ताजा जंग दिल्ली सरकार की डोरस्टेप डिलिवरी की फाइल क्लियर करने और कथित तौर पर हड़ताल कर रहे सरकारी अफसरों पर विभागीय कार्रवाई की मांग को लेकर है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके कुछ मंत्री इसे लेकर कई दिनों से उप-राज्यपाल दफ्तर के स्वागत कक्ष में धरने पर बैठे हैं। दो मंत्री मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन तो भूख हड़ताल पर हैं। दिल्ली सरकार और उप-राज्यपाल के बीच विवाद की शुरुआत तत्कालीन उप-राज्यपाल नजीब जंग के समय में ही हो चुकी थी, जो अब मौजूदा उप-राज्यपाल अनिल बैजल तक नए-नए रूप में सामने आती रही है। सरकार आरोप लगाती है कि उप-राज्यपाल उसे ठीक से काम नहीं करने दे रहे और उसके हर अच्छे काम में रोड़े अटकाते हैं। उप-राज्यपाल इसे अपने अधिकारों का हनन बताते हैं और कहते हैं कि दिल्ली सरकार उन्हें सरपास करके काम करना चाहती है, जो नियमत- संभव नहीं है। हाल में मुख्य सचिव से मारपीट की कथित घटना के बाद नौकरशाही इस विवाद का तीसरा कोण बनकर उभरी है। आम आदमी पार्टी की सरकार शुरू से ही अधिकारों यानी दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करती रही है और उसका मानना है कि बिना इसके दिल्ली का ठीक से विकास नहीं हो सकता। वह अपने कामकाज पर उप-राज्यपाल का संविधान प्रदत्त नियंत्रण बर्दाश्त नहीं कर पा रही और सीधे टकराव की मुद्रा में है। राज्यों और केंद्र सरकार के बीच टकराव कोई नई चीज नहीं है। राज्य अपनी उपेक्षा का आरोप लगाते रहे हैं और कई बार यह सच भी होता है। लेकिन दिल्ली के मामले में तो यह बात इसलिए भी सहज नहीं लगती कि दिल्ली की उपेक्षा आसान नहीं है। सच है कि दिल्ली में न तो पहली बार सरकार चल रही है, न ही पहली बार उप-राज्यपाल की व्यवस्था ईजाद हुई है। केंद्र शासित क्षेत्र होने के कारण इसे आसानी से बदला भी नहीं जा सकता। हां, एक बात जरूर है। आम आदमी पार्टी की सरकार और उसके नेता जिस पार्श्वभूमि से आते हैं, संभव है कि कुछ नया करने के उत्साह में वे कुछ अतिरेकी हुए हों। एक नई पार्टी के इस तरह के उभार में पारंपरिक राजनीतिक दलों का गुणा-गणित भी कहीं न कहीं गड़बड़ाया होगा। ऐसे में, 'राजनीति' नहीं होगी, यह मानकर बैठना भी गलत होगा। यह भी सच है कि लोक व्यवस्था में उसके लोकाचारों के साथ कदम-ताल भी करना ही पड़ता है और संभव है ये लोकाचार किसी को रास न आ रहे हों। दिल्ली सरकार का विवाद आज जिस मोड़ तक पहुंच चुका है, उसमें तत्काल हस्तक्षेप कर रास्ता निकालने की जरूरत है। राजनीतिक अहं के टकराव में किसी को भी बहुत दूर जाने की इजाजत तो दी नहीं जा सकती। इस बात की तह में जाना भी जरूरी है कि यह महज एक नए मिजाज वाले दल की राजनीति का मामला है या इस नए मिजाज वाले दल के साथ शेष सभी की मिली-जुली मोर्चाबंदी से उपजी राजनीति का मामला। फैसला आसान नहीं है। हां, कुछ भी करने से पहले ठहरकर दिल्ली के मन की थाह लेना जरूरी है कि वह क्या चाहती है? कुल मिलाकर इतना तो तय है कि व्यापक जनहित में इस प्रकरण पर तत्काल विराम लगाने की जरूरत है।.

# धूल की चादर

प्रदूषण ने दिल्ली-एनसीआर वालों का चैन छिन रखा है। मंगलवार को धूल भरी आंधी के चलते एक बार फिर राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाके प्रदूषण के चलते परेशान रहे। राजस्थान और उत्तरी पश्चिमी हवा के साथ उड़कर आई धूल की चपेट में यहां के लोग एक तरह से बंधक बने रहे। विशेषज्ञों की मानें तो पश्चिम की तरफसूखी और बंजर जमीन से धूल भरी आंधी पहुंचती है और आसपास के राज्यों को गिरफ्त में ले लेती है। क्या प्रदूषण की ऐसी मार दिल्ली-एनसीआर की जनता इसी तरह सहती रहेगी? क्या कोई उपाय ऐसी जानलेवा समस्या को खत्म नहीं कर सकती है? आंकड़े भी इस बात की तस्दीक करते हैं कि अकेले दिल्ली में सालाना 10 हजार से लेकर 30 हजार जानें जा रही हैं। एक और आंकड़ा ज्यादा भयावह है। इसके मुताबिक प्रदूषण हर दिन भारत की राजधानी में औसतन 80 लोगों की जान ले रहा है। विश्व स्वास्थ संगठन की ताजा रिपोर्ट में दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में 13 भारत के शहर हैं, जिनमें दिल्ली शीर्ष पर है। यह आंकड़े इस बात की गंभीरता को बताने के लिए पर्याप्त हैं कि प्रदूषण की कैसी मार यहां के बाशिंदे झेल रहे हैं? जहां तक बात सरकार, सिविक एजेंसी, प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड व अन्य संस्थाओं की है तो इनके तमाम सुझावों को अनसुना कर दिया जाता है। अच्छे सुझाव जो सख्त होते हैं, उन्हें भी अमल में लाने के लिए पापड़ बेलने पड़ते हैं। मगर हालात जिस कदर खराब होते जा रहे हैं, उससे यही डर सता रहा है कि अगले कुछ सालों में प्रदूषण को लेकर देश की तस्वीर कैसी होगी? धूल की चादर ने दिल्लीवालों की सेहत के लिए ''आपातकाल' की स्थिति पैदा कर दी है। जनता से ग्रीन सेस लेने के बावजूद कई सरकारें पर्यावरण को लेकर संजीदा और सजग नहीं हैं। कई बार सर्वोच्च न्यायालय को सरकार के ढुलमुल रवैये पर सख्ती भी दिखानी पड़ी है। मगर प्रदूषण की गंभीरता बढ़ती ही जा रही है। मंगलवार को जैसी आंधी दिल्ली-एनसीआर में दिखी, उसने एकबारगी पिछले साल के नवम्बर महीने की याद ताजा कर दी। फिक्र को धुएं में उड़ाने की सोच और आदत छोड़कर अपने देश के प्रति बुनियादी कर्त्तव्यों को समझना होगा। सिर्फ सरकार को दोषी ठहराने से हालात नहीं बदलेंगे।

## कटाक्ष/ सहीराम

# कभी नरम-नरम कभी..

क्यों कि ट्रंप साहब अमेरिका के राष्ट्रपति हैं, इसलिए दादागिरी करना उनका खानदानी पेशा है। उन्हें क्या पता था कि उधर जर्मनी में एक दबंग महिला चांसलर मार्केल भी बैठी हुई हैं। मौका मिलते ही उन्होंने उनकी सारी दरोगाई झाड़ दी। दरोगाई अमेरिकी राष्ट्रपतियों को विरासत में मिलती है और दुनिया को हांकनेवाला डंडा भी। लातिनी अमेरिकी उनकी इस इमेज से बड़े चिढ़ते हैं। फिर उनकी माचो इमेज भी है। काऊबॉय इमेज है। ओबामा तो कोई-कोई ही निकलता है, वरना सब रीगन ही होना चाहते हैं। अगर रीगन में थोड़ी ट्रंप टाइम की लफंगई होती तो ट्रंप को रीगन द्वितीय भी कहा जा सकता था। लफंगई के मामले वे क्लिंटन से इक्कीस ही निकले। शायद इसीलिए वे हिलेरी से जीत भी गए। खैर, अपनी इस माचो इमेज के चक्कर में उन्होंने बेचारे कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूदो पर अपना दरोगाईवाला डंडा चला दिया। मार्केल मैडम तो इससे इतनी नाराज हुई कि उन्होंने ट्रंप की क्लास ही ले ली। खैर गैर समझकर धमकाया तो उन्होंने कोरियावाले किम को भी खूब था। शायद इसी से प्रेरित होकर हमारे टीवी चैनलों ने उनकी क्रूर तानाशाही की इतनी कहानियां दिखाई कि अब ट्रंप के साथ समझौते को दिखाते हुए उन्हें बड़ी शर्म आई होगी। पर किम भी कुछ कम नहीं निकला। उसने कहा मेरे पास तो परमाणु मिसाइलें हैं, मैं तो चला दूंगा। इधर ट्रंप ने कहा मैं तुम्हें बर्बाद कर दूंगा। उधर किम ने कहा कि परमाणु बम का बटन मेरी मेज पर है। बीच में फंसा जापान। उसे लगा कि पता नहीं किम की मिसाइल अमेरिका तक तो पंहुचेगी या नहीं। अगर बीच में फुस्स भी हो गई तो जापान पर तो जरूर गिर पड़ेगी। यही हाल दक्षिण कोरिया का था। सो दक्षिणी कोरियावालों ने भाईबंदी का वास्ता दिया। किम ने भी हमारे प्रधानमंत्रियों की तरह उदारता दिखाई। जैसे हमारे प्रधानमंत्री कभी बस लेकर पाकिस्तान पहुंच जाते हैं। खैर, दुनिया ने चैन की सांस ली। पर ट्रंप पर भरोसा कम ही था। पता नहीं कब भड़क जाएं। एक बार तो मिलना कैंसल ही हो गया था। लेकिन आखिर में मिले। कभी नरम-कभी गरम चलता रहता है साहब। ट्रंप के खब्ती मूड को जो भांप ले, ऐसा बंदा कहां मिलेगा।

# फुटबॉल के मेले में सीमित रोमांच

अलेक्जेंडर नेदरटन, फुटबॉल विश्लेषक

आज से फीफा वर्ल्ड कप की शुरुआत हो रही है। पहला मुकाबला रूस और सऊदी अरब के बीच है। उम्मीद है, रूसी टीम जीत के साथ अपनी शुरुआत करेगी। मिस्र और उरुग्वे जैसी टीमों के साथ उसे अपेक्षाकृत आसान ग्रुप 'ए' में रखा गया है। इसका लाभ भी उसे मिल सकता है। हालांकि इटली ही एकमात्र बड़ी टीम नहीं है, जो इस विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई। नीदरलैंड के खेल में आई गिरावट ने भी उसे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। अमेरिका का तो अपने खिलाड़ियों के साथ इतना लापरवाह व्यवहार रहा कि वे पनामा से मैच गंवा बैठे, और विपक्षी टीम को पहली बार वर्ल्ड कप में शामिल होने का मौका दे दिया।

इस बार नजरें सबसे अधिक अर्जेंटीना पर रहेंगी। इसकी वजह सिर्फ यह नहीं है कि उसके पास अत्यधिक प्रभावशाली और प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, बल्कि इसका एक बड़ा कारण टीम में लियोनेल मेसी की मौजूदगी है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बरअक्स यही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जो सही मायने में फुटबॉलर हैं। पिछले दिनों बार्सिलोना के साथ उनके करार-संबंधी विवाद जरूर हुए, पर स्पेन में उनका खेल असाधारण दिखा। वहां एक और ला लीगा जीतकर मेसी ने अपनी शैली में टूर्नामेंट खत्म किया। ला लीगा में उन्होंने कुल 45 गोल दागे और पांचवीं बार यूरोप में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने। अब दुनिया और तमाम प्रायोजकों को इंतजार है कि यहां भी वह ठीक वैसा प्रदर्शन करेंगे, जैसा हर साल स्पेन में करते रहे हैं। जाहिर है, प्रतिभा से धनी इस खिलाड़ी के लिए यह कोई असामान्य बात नहीं है।

> नए अनजाने खिलाड़ियों के उभरकर छा जाने का रोमांच भले ही अब खत्म हो गया हो फिर भी इस बार के विश्व कप फुटबॉल से काफई उम्मीदें हैं।

जहां तक रोनाल्डो का मामला है, तो उन्होंने पुर्तगाल को यूरो 2016 में शीर्ष पर जरूर पहुंचाया, पर मैदान में उनकी चपलता लगभग आधी ही दिखी। उनका मजबूत आत्मविश्वास जीत में जरूर सहायक बना, मगर पूरी टीम के असरदार प्रदर्शन ने पुर्तगाल को विजेता बनाया था। इन सबका एक अर्थ यह है कि मेसी फीफा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना को इस कदर प्रोत्साहित करते शायद ही दिखें कि प्रतिस्पर्द्धा एक नई ऊंचाई पर पहुंच सके, और रोनाल्डो से भी यह उम्मीद नहीं पाली जा सकती कि वह दो वर्ष पहले की कहानी दोहरा सकें। रोनाल्डो तो अब 33 वर्ष के हो चुके हैं और शायद ही इस बार 'सुपरमैन' साबित हो सकेंगे। स्वीडन के स्टार खिलाड़ी ज्लातान इब्राहिमोविक भी एलए ग्लैक्सी के साथ एक अच्छी शुरुआत करने के बावजूद विश्व कप का हिस्सा नहीं हैं। वह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले चुके थे, पर जब स्वीडन ने प्ले-ऑफ में इटली को मात देकर फीफा वर्ल्ड कप में प्रवेश किया, तो उन्होंने अपना इरादा बदल लिया था।

इस लिहाज से अब तीन टीमें ही मन को लुभा रही हैं- फ्रांस, जर्मनी और ब्राजील। जर्मनी को इस सूची से बाहर निकालना इसलिए अनुचित है, क्योंकि वह पिछले विश्व कप की विजेता है और खिताब बनाए रखने की वह हरसंभव कोशिश करेगी। जर्मनी एक ऐसी टीम है, जिसने 2014 के बाद अपने खाते में चार वर्षों के अच्छे अनुभव बटोरे हैं, हालांकि उसे कुछ नुकसान भी उठाना पड़ा है। उसे सबसे पहले मैनुअल नॉयर की चोट से निपटना होगा, जो चुने गए 27 खिलाड़ियों में शामिल हैं। इसके अलावा, नजर इस पर भी रहेगी कि मार्विन प्लैटहेनहार्ट, जोनाथन टाह, जोनास हेक्टर, लियोन गोरेट्जका, नील्स पीटरसन और टीमो वेर्नर जैसे नए खिलाड़ी जेरोम बोएटेंग, मैट्स हुम्मल्स, सामी खेदीरा और टोनी क्रूस जैसे स्थापित खिलाड़ियों के साथ किस तरह का सामंजस्य बिठा पाते हैं। हालांकि जर्मनी ने फीफा कन्फेडरेशंस कप 2017 में अपने 'प्लान बी' खिलाड़ियों को उतारकर एक प्रयोग किया था, जो सफल रहा था। उसे इसका लाभ इस विश्व कप में मिल सकता है। संभव है कि खिताबी जीत उसी के खाते में आए।

उसे कड़ी टक्कर फ्रांस से मिल सकती है। टीम चयन में मैनेजर डिडिएर डेसचैम्प्स को काफी मुश्किलें आई होंगी। ऐसा नहीं है कि वह इसलिए परेशान हुए होंगे कि उन्हें जर्मन से अच्छी टीम चुननी था, बल्कि कतार में कई अच्छे खिलाड़ी थे। यही वजह है कि कुछ बड़े नाम टीम में अपनी जगह नहीं बना सके। फ्रांस की उम्मीदें तीन फॉरवर्ड खिलाड़ियों पर टिकी हैं- पॉल पोग्बा, एंटोनी ग्रिजमान और किलियन एमबीपीपी।

जहां तक ब्राजील की बात है, तो यह टीम मनोवैज्ञानिक रूप से कहीं अधिक मजबूत नजर आ रही है। इस बार इसने कहीं बेहतर खिलाड़ियों का चयन किया है, और नेमार तो हैं ही, जो पूरी तरह फिट हैं। चाहे डिफेंडर्स हों, मिडफिल्डर्स या फिर फॉरवर्ड्स, बेहतर खिलाड़ियों की यहां कमी नहीं है। एलिसन और एडरसन ने बतौर गोलकीपर उस जगह को भर दिया है, जो पारंपरिक तौर पर ब्राजील की कमजोरी मानी जाती रही है। डिफेंडर्स थियागो सिल्वा, मिरांडा और मार्सेलो की उम्र भले ही ज्यादा हो गई है, पर अपने अनुभव को बेहतर प्रदर्शन में अब भी वे बखूबी ढाल सकते हैं। देखना तो बस यही है कि वे सिर्फ पैरों से मजबूत हैं या फिर उनमें पुराना दम-खम बचा है।

पिछले विश्व कप मुकाबलों की एक खूबसूरती यह रही है कि पूरी तरह अज्ञात खिलाड़ी के विश्व पटल पर छा जाने का रोमांच हम महसूस करते थे। अब यह खत्म हो चुका है। इंटरनेट और यूरोप की अति-लोलुपता की वजह से अब हर उस छह-सात वर्षीय खिलाड़ी को भी कॉन्ट्रैक्ट मिल जाता है, जिसने महज छह 'क्रूफ टर्न' (फुटबॉल से छकाने का एक तरीका) किए हों। उस खिलाड़ी को अपने देश में बुलाने के लिए उसके माता-पिता तक को नौकरी का प्रस्ताव दिया जाता है।

बावजूद इसके विश्व कप से कई उम्मीदें हैं। इसमें सबसे ऊपर प्रतिभा ही रहती है। मेसी, रोनाल्डो, मुलर, ओजिल, पोग्बा, सलाह, किलियन, एमबीपीपी, यहां तक कि इंग्लैंड के हैरी केन जैसे कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों को हम यहां देखने का आनंद उठाएंगे। विश्व कप नए खिलाड़ियों को भी स्थापित होने का मौका देता है। हालांकि इसके कुछ स्याह पक्ष भी हैं, जिनमें भेदभाव, हिंसा और भू-राजनीतिक निराशावाद सबसे ऊपर हैं। 2018 का विश्व कप भी शायद ही इन सबसे पार पा सके, मगर इसका यह मतलब तो नहीं कि हम उम्मीद रखना ही छोड़ दें। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

## सीधी नियुक्तियां

# जवाबदेही-पारदर्शिता हो पहली शर्त

हर्षदेव

प्रशासनिक पदों पर निजी क्षेत्र से सीधे नियुक्तियों के केंद्र सरकार के फैसले पर बहस छिड़ गई है। इसके पक्ष में अतीत में इसी तरीके से की गई नियुक्तियों का तर्क दिया जा रहा है तो संदेह और सवाल भी उठाए जा रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि यह बेहद संवेदनशील मामला है और केवल राजनीतिक दलीलों के सहारे किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता।

इस पहल के पक्ष में अतीत की अनेक नियुक्तियों के उदाहरण भी हैं। विजय केलकर 1998-99 में सीधे वित्त सचिव बनाए गए। (जीएसटी का ढांचा उन्हीं ने बनाया है।) उससे पहले मनमोहन सिंह 1972 में इसी तरह नियुक्त किए गए। मोंटेकसिंह अहलूवालिया भी वित्त सचिव बनाए गए। योजना आयोग के उपाध्यक्ष और आर्थिक सलाहकारों का नियोजन तो इसी तरीके से किया जाता रहा है। स्पष्ट है, यह नई शुरुआत नहीं है, और न प्रशासनिक सुधारों की जरूरत पहली बार महसूस की गई है। इन सुधारों का ध्यान 1960 के दशक में तब आया, जब औद्योगिक प्रबंधन निकाय गठित करके तंत्र को कुशल बनाने के लिए 1959 में तीन विशेषज्ञ- लवराज कुमार, पी.एल. टंडन और वी. कृष्णमूर्ति नियोजित किए गए। नौकरशाहों की लॉबी इससे खासी परेशान हुई। कदम-कदम पर अड़ंगे लगाए। इस अनुभव से ही 1965 में प्रशासनिक सुधार आयोग का विचार पनपा। जनवरी, 1966 में मोरारजी देसाई की अध्यक्षता में आयोग बना। उपप्रधानमंत्री बनने पर उनकी जगह के. हनुमंथैया ने ली। आयोग ने 1975 तक कुल 20 हिस्सों में 13 रिपोर्ट दीं, जिनमें 537 सिफारिशें की गई थीं। 2003 और 2004 में फिर क्रमशः सुरिंदर नाथ आदि की अध्यक्षता में आयोग गठित हुए। इन आयोगों की कितनी सिफारिशें लागू हुईं, इसका कोई लेखा-जोखा नहीं है।

भाजपा सांसद उदितराज ने सीधे नियुक्तियों के जरिए आरक्षण की अनदेखी की मंशा का शक जताया है। उनका कहना है कि यदि ऐसा हो तो आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए ही हो। सीपीएम के सीताराम येचुरी ने कहा है कि विश्वविद्यालयों में भी सरकार ने अपारदर्शी तरीके से नियुक्तियों का सिलसिला बना लिया है। कांग्रेस के पी. चिदंबरम ने इसे नौकरशाही को वफादार रखने की कोशिश करार देते हुए मांग की है कि पहले पूरी योजना विस्तार से बताई जाए और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से चुने जाने वाले व्यक्ति विभिन्न शैक्षिक पृष्ठभूमि से आते हैं। उनका सामान्य ज्ञान अन्य से बहुत बेहतर होता है और साथ ही बुद्धिचातुर्य भी। अनुभव और समय उनको विशिष्ट बनाता चलता है और वे वरिष्ठता के पायदान चढ़ते जाते हैं। फिर भी, उनके पास किसी भी विषय की विशेषज्ञता नहीं होती है, जबकि आज उसकी पहले से कहीं ज्यादा आवश्यकता है। आज समूची प्रशासनिक व्यवस्था पर बाज़ार और पूंजी की गहरी पकड़ है। शासन-प्रशासन इन महत्वपूर्ण नीतिगत परिवर्तनों के कारण पूर्व की तुलना में अधिक कठिन और चुनौतीपूर्ण होता गया है। इस दृष्टि से हर विषय की बारीकियों और पेचीदगियों की गहरी जानकारी भी अनिवार्य हो गई है। इस दायित्व का निर्वाह अपने क्षेत्र में प्रवीणता प्राप्त व्यक्तियों द्वारा ही सम्भव है।

ब्रिटेन, अमेरिका, बेल्जियम, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में प्रशासनिक कुशलता के लिहाज से विशेषज्ञों की नियुक्तियां आम हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा की परीक्षा में सफल व्यक्ति हरफनमौला नहीं हो सकता। हाल के वर्षों में अनेक नए कार्यक्षेत्रों का उदय हुआ है। इनमें आईटी, पर्यावरण, अक्षय ऊर्जा, बौद्धिक सम्पदा और जलवायु जैसे कुछ विषय खास तौर पर हैं। ऐसे सभी विशेषज्ञता प्रबंधन की दरकार वाले क्षेत्र प्रशासनिक से अधिक तकनीकी ज्ञान की मांग करते हैं।

नौकरशाहों को इस फैसले से तकलीफ होना स्वाभाविक है। लेकिन यदि उनकी कार्यनिष्ठा, ईमानदारी, समर्पणभाव की बात करें तो उनके लिए उत्तर देना भी कठिन हो जाएगा। सच्चाई यह है कि चयन होने के बाद नौकरशाह बनते ही उनका दिमाग दो ही बातों पर टिक जाता है—मलाईदार महकमा और सत्ताधारियों से गहरा रसूख। हर्ष मंदर और अशोक खेमका जैसे कितने बाबू हैं, जिन्हें समर्पित माना जा सकता है। शोध करने वालों का कहना है कि नौकरशाह की एक साल की औसत कमाई 50 से 100 करोड़ के बीच होती है। यूपी की नीरा यादव या फिर मध्य प्रदेश के युगल अरविन्द और पत्नी टीनू जोशी की याद तो होगी। नीरा यादव सपा के एक नेताजी की आंखों का तारा बनकर रहीं। और अरविन्द दम्पति तो भ्रष्टाचार की मिसाल बन गया। अथाह संपत्ति बरामद की गई, जो जानने वालों के मुताबिक उनके खजाने का एक हिस्सा ही था। इस हिस्से में भी दिल्ली-गुवाहाटी और भोपाल में 26 फ्लैट, सैकड़ों बीघा कृषि और गैर-कृषि भूमि, कई किलो सोना या सोने के गहने और करोड़ों की नकदी शामिल है। केंद्रीय सतर्कता आयोग ने पिछले दिनों भ्रष्ट नौकरशाहों की सूची वेबसाइट पर डाल दी थी और उनकी जांच करने की जरूरत बताई थी। बाद में उसे हटा लिया गया। सरकार ने 2017 में संसद में बताया था कि 48 नौकरशाहों पर भ्रष्टाचार के मुकदमे चल रहे हैं, लेकिन ये तो हांडी के चावल का नमूना मात्र हैं।

इन तमाम तर्कों और प्रश्नों के दृष्टिगत प्रशासनिक पदों पर सीधे नियुक्तियों की पहल सार्थक और कारगर नतीजे दे सकती है, लेकिन यहां हर लिहाज से बहुत ही अहम सवाल है, इस पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और जवाबदेही का।

## 2019 चुनाव

# क्षेत्रीय दलों के पास है चाबी

अनिल सिन्हा

देश में क्षेत्रीय पार्टियां फिर से जड़ जमाने लगी हैं। भाजपा के राष्ट्रीय स्तर पर उभार के बाद लगने लगा था कि अब क्षेत्रीय पटियों का जमाना लद गया है। कर्नाटक चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया कि ऐसा सोचना गलत होगा कि इन पार्टियों की लोकप्रियता कम हुई है। महाराष्ट्र के भंडारा की लोक सभा सीट एनसीपी ने जीत ली और पालघर की सीट पर शिव सेना ने भाजपा के कड़ी टक्कर दी। 2019 के चुनावों में सत्ता की चाबी क्षेत्रीय दलों के पास होगी। अगर हम ध्यान से देखें तो कई राज्यों में क्षेत्रीय पार्टियां भाजपा को टक्कर दे रही हैं। कुछ राज्यों में तो उनकी इतनी ताकत है कि वे राष्ट्रीय पार्टियों को गिनती में भी नहीं लेती हैं। इसमें ममता बनर्जी और नवीन पटनायक की पार्टी के नाम तो लिये ही जाएंगे। लालू प्रसाद, चंद्रा बाबू और नीतीश कुमार के दलों के नाम भी आएंगे। बिहार में रामविलास पासवान और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टियां भी भाजपा को आंख दिख रही हैं। उत्तर प्रदेश में अखिलेश व मायावती की पार्टियां ही नहीं, अजीत सिंह की पार्टी भी करतब दिखाने के मूड में है। तमिलनाडु में तो राष्ट्रिय पार्टियों का टिकट काफी पहले कट चुका है। चुनावों के नजदीक आने के बाद आरएसएस और भाजपा की रणनीति में आए परिवर्तनों पर गौर करने की जरूरत है। दोनों ने अपना फोकस बदल लिया है। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह देश तो नामी लोगों से मिलने के लिए देश के दौरे पर निकल पड़े हैं। इनमें क्षेत्रीय दलों के नेताओ के नाम भी शामिल हैं। शिव सेना की राजनीतिक बदसलूकी को नजरअंदाज कर वह उद्धव ठाकरे से मिल आए। शायद इसी रणनीति के तहत आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी कह डाला कि दूसरों की विविधता को स्वीकार करना चाहिए। उनकी यह घोषणा उन संगठनों से सहयोग लेने के लिए है, जो विविधता में यकीन रखते हैं। यह न तो अपनी पुरानी नीति को त्यागने के लिए है और न ही विविधता के दर्शन को अपनानें के लिए है। संघ ने समय-समय पर ऐसे कदम उठाए हैं जब उसे अपने लिए संभावनाएं दिखी हैं। कई लोगों को लग सकता है कि भाजपा अपनी लोकप्रियता के चरम पर पहुंच कर ऐसा क्यों कर रही है? पिछले दिनों हुए चुनावों और देश की आर्थिक हालत पर भी गौर करने पर सवाल का जवाब आसानी से मिल सकता है। लोक सभा के ज्यादातर उपचुनाव भाजपा ने हारे हैं। राज्यों के कई चुनावों में उसे तिकड़म की जीत ही हासिल हुई है। उसने भ्रष्ट लोगों को भी बड़े पैमाने पर पार्टी में आयात किया है। इसके बावजूद वोटों के प्रतिशत में वह 2014 की लोकप्रियता कायम नहीं रख पाई और जहां भी विपक्षी एकता हो गई वहां उसे मुंह की खानी पड़ी है। इस एकता को तोड़ने के लिए यह जरूरी हो गया है कि संघ परिवार अपना चेहरा सौम्य करे ताकि सहयोगी दल उसके साथ रह सकें। लोगों को अपने साथ बांधे रखने का सांप्रदायिक फार्मूला भी चल नहीं पा रहा है। इसे कम से कम उत्तर प्रदेश के उपचुनावों ने पूरी तरह साबित कर दिया है। भाजपा और संघ को यह लगने लगा है कि नरेन्द्र मोदी अकेले दम पर चुनाव की नाव पार न हीं लगा सकते हैं। ऐसे में मोदी और भाजपा के सामने क्षेत्रीय पार्टियों के साथ जाने के अलावा कोई उपाय नहीं है। कांग्रेस और राहुल गांधी ने क्षेत्रीय ताकतों के पहचानने में ज्यादा देरी नहीं की। गुजरात में राहुल ने जिग्नेश मेवानी और हार्दिक पटेल जैसी स्थानीय शक्तियों को साथ लेकर ही भाजपा को कड़ी टक्कर दी। चुनाव के बाद कर्नाटक में उन्होंने जेडीएस से हाथ में मिलाने में भी देरी नहीं की। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना में टीआरएस जैसी पार्टियां हैं, जिन्हें अब कांग्रेस से नहीं भाजपा से डर लग रहा है। उड़ीसा के नवीन पटनायक फिलहाल मिले-जुले संकेत दे ही रहे हैं। लेकिन उनका भाजपा के साथ आना संभव नहीं है। वह भाजपा और कांग्रेस से समान दूरी बनाए रखना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के लिए भाजपा एक सहज पसंद हो सकती थी। फिलहाल, ममता के लिए भाजपा नंबर एक दुश्मन है। उसके लिए यह सहूलियत की बात भी है क्योंकि इससे मुसलमानों को समर्थन उसके लिए पक्का हो जाता है।

## सार समाचार

### 10 घंटे से ज्यादा की नींद से दिल को खतरा

**सियोल (एजेंसी)।** अगर आप यह सोचते हैं कि कम सोने से आपके स्वास्थ्य पर असर पड़ता है तो आप गलत हैं। हर दिन 10 घंटे से ज्यादा सोना भी आपके मेटाबोलिक (उपापचयी) सिंड्रोम से जुड़ा हुआ है। इससे दिल के रोगों का खतरा बढ़ जाता है। रोजाना 10 घंटे से अधिक समय तक सोने वालों के कमर का घेरा बढ़ जाना, उच्च ट्राइग्लिसराइड के स्तर को मेटाबोलिक सिंड्रोम के रूप में जाना जाता है और यह दिल संबंधी बीमारियों के बढ़े जोखिम से जुड़ा होता है। ट्राइग्लिसराइड में एक प्रकार का वसा, अच्छे कोलेस्ट्रॉल का कम स्तर, उच्च रक्तचाप का खतरा शामिल है। पुरुषों व महिलाओं दोनों में ज्यादा समय तक सोने से ट्राइग्लिसराड का स्तर ज्यादा बढ़ जाता है। महिलाओं में इसकी वजह से कमर में मोटापा बढ़ जाता है, साथ ही रक्त शर्करा व अच्छे कोलेस्ट्रॉल का स्तर गिर जाता है। शोधकताओं का कहना है कि इसके विपरीत, छह घंटे से भी कम की नींद पुरुषों में उपापचयी सिंड्रोम के उच्च जोखिम से जुड़ी हुई है और पुरुषों व महिलाओं में कमर के घेरे के बढ़ने से जुड़ी है। दक्षिण कोरिया में सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिसिन के मुख्य लेखक क्लेयर ई किम ने कहा, 'यह सबसे बड़ा अध्ययन है, जो पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग घटकों के बीच सोने की अवधि और उपापचयी सिंड्रोम और खुराक की प्रतिक्रिया की जांच करता है।'

### पाकिस्तान में शाहरुख खान की रिश्तेदार लड़ेंगी चुनाव

**पेशावर (एजेंसी)।** बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान की रिश्तेदार नूरजहां पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार होंगी। उनकी उम्मीदवारी को खैबर पख्तूनख्वा के चुनाव आयोग ने मंजूरी दे दी है। पाकिस्तान में 25 जुलाई को संसदीय और प्रांतीय चुनाव होने हैं। नूरजहां पीके-77 सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही हैं। वह अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) से जुड़ी रही हैं। नूरजहां ने कहा, हमारे पूर्वज 1947 में बंटवारे के वक्त से एएनपी से जुड़े रहे हैं। मैंने विधानसभा में सामान्य और महिलाओं के लिए आरक्षित सीट दोनों के लिए एएनपी से टिकट मांगा था। लेकिन मुझे टिकट नहीं दिया गया। इसके बाद मैंने निर्दलीय उम्मीदवार बनने का फैसला किया। खैबर पख्तूनख्वा के चुनाव आयोग ने पेशावर शहर की एक सामान्य सीट से प्रांतीय विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए नूरजहां का नामांकन पत्र स्वीकार किया है। उन्होंने पाकिस्तान में उनके चुनाव में भाग लेने के कारण भारत में शाहरुख खान का आलोचना किए जाने पर नाखुशी जताई। उन्होंने कहा, हम जब भी फोन पर बात करते हैं तब हम फिल्मों और क्रिकेट की बात करते हैं, और कुछ नहीं।

### ट्रंप ने अमेरिकी मीडिया को देश का सबसे बड़ा दुश्मन बताया

**वाशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आज कहा कि फर्जी खबर अमेरिका की सबसे बड़ी दुश्मन हैं। ट्रंप ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ अपनी ऐतिहासिक शिखर वार्ता में हुए समझौते को कमतर करने का प्रयास करने के लिए कुछ अमेरिकी मीडिया घरानों पर निशाना साधा। ट्रंप ने किम के साथ गत मंगलवार को सिंगापुर में मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने वहां अस्पष्ट शब्दों वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किये जिसकी देश में कई ने आलोचना की है। ट्रंप ने वाशिंगटन लौटने के बाद घोषणा की कि उत्तर कोरिया अब अमेरिका के लिए कोई परमाणु खतरा नहीं है। आलोचकों को मानना है कि उत्तर कोरियाई नेता से मुलाकात करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने किम की प्रशंसा की और युवा तानाशाह नेता को वैधता प्रदान की। 72 वर्षीय ट्रंप ने सिंगापुर में एक लंबे संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करने के बाद मीडिया पर हमला बोला। उन्होंने नाराज होकर किये गए अपने ट्वीट में एनबीसी और सीएनएन का उल्लेख किया। ट्रंप ने लिखा कि फर्जी खबरें विशेष तौर पर एनबीसी और सीएनएन को देखना कितना हास्यास्पद होता है। उन्होंने कहा कि 500 दिन पहले वे इस समझौते के लिए इस तरह गुहार लगा रहे होते मानो युद्ध छिड़ने वाला है। हमारे देश की सबसे बड़ी दुश्मन फर्जी खबरें हैं जिन्हें मूर्ख आसानी से गढ़ लेते हैं। ट्रंप ने यह ट्वीट सीएनएन के व्हाइट हाउस के प्रमुख संवाददाता जिम अकोस्टा पर अपने अधिकारियों द्वारा निशाना साधने के बाद किया।

# दुनिया के सबसे लंबे पुलिसवाले पंजाब के 7 फुट 6 इंच के जगदीप

• वजन 190 किलो, पहनते हैं 19 नंबर का जूता

## पंजाब आर्म्ड फोर्स (पीएपी) में कार्यरत जगदीप सिंह का सपना है कि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उनका नाम दर्ज हो

एजेंसी | अमृतसर

सात फुट 6 इंच के जगदीप सिंह न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया के सबसे लंबे पुलिसवाले हैं। अमृतसर में पैदा हुए जगदीप पिछले 18 सालों से पंजाब पुलिस में काम कर रहे हैं और किसी सेलिब्रिटी से कम नहीं है। 19 नंबर के जूते पहनने वाले जगदीप का वजन 190 किलो है और कद डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर दिलीप सिंह राणा उर्फ द ग्रेट खली से भी पांच इंच ज्यादा। जब भी जगदीप घर से बाहर निकलते हैं तो लोग उनके साथ सेल्फी लिए बिना रह नहीं पाते। अपने कद-काठी के कारण उन्हें स्पेशल यूनिफॉर्म तैयार करवानी पड़ती है। पंजाब आर्म्ड पुलिस (पीएपी) में काम करने वाले जगदीप को दुनिया का सबसे लंबा पुलिसमैन बनने पर गर्व है। उनसे पहले यह खिताब हरियाणा के सात फुट 4 इंच लंबे राजेश के पास था।

**व्याह लई कुड़ियां मन्नदीयां नईं सी, सुखबीर कौर ने हां कीती**

35 साल के जगदीप कहते हैं, मुझे सबसे लंबा पुलिस वाला होने पर गर्व है लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ दिक्कतें भी आती हैं। मैं अपने साइज के कपड़े मार्केट से खरीद नहीं पाता हूं। जब भी कहीं बाहर जाता हूं तो बेड पर सोने और बाथरूम इस्तेमाल करने में परेशानी होती है। कहीं भी जाना हो तो अपनी गाड़ी ही ले जानी पड़ती है क्योंकि लोकल बस या टैक्सी में फिट नहीं आता हूं। मुझे याद है जब मेरी शादी की बात चल रही थी तो लड़की ढूंढने में काफी परेशानी हुई क्योंकि कोई भी इतने लंबे आदमी से अपनी बेटी ब्याहना नहीं चाहता था। मगर मुझे मेरी लाइफ पार्टनर मिल ही गई जो पांच फुट 11 इंच लंबी है।

**जित्थे वी ऐहा नाल किते जानी आं सेलिब्रिटी वांग ट्रीट करदे ने**

जगदीप की पत्नी सुखबीर कहती हैं, मुझे यह जानकर काफी अच्छा लगता है कि मेरे पति सबसे लंबे पुलिसवाले हैं। जहां भी मैं उनके साथ जाती हूं, हमें सेलिब्रिटी की तरह ट्रीट किया जाता है। मैं नहीं समझती कि पूरी दुनिया में उनके जैसा कोई और इंसान होगा। उनकी मां गुरशिंदर की मानें तो जगदीप जन्म से ही दूसरों से अलग थे। उन्होंने बताया, चार भाई-बहनों में जगदीप सबसे छोटा है। बचपन से ही उसका कद बाकी बच्चों से लंबा रहा। कई लोग उसका मजाक भी उड़ाते थे लेकिन उसने कभी बुरा नहीं मनाया बल्कि अपने लंबे कद से वह काफी खुश है और उसकी खुशी में हमारी खुशी है।

**ऐडे कद करके कदी कोई नेगेटिव कमेंट सुनेया ही नईं**

जगदीप अब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करवाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मेरे कद के कारण कभी कोई नेगेटिव कमेंट तो सुनने को नहीं मिला लेकिन कभी-कभी लोग जरूर पूछते हैं कि क्या इस कद-काठ के लिए मैं कोई खास डाइट लेता हूं या नहीं। हालांकि एक बार सोशल नेटवर्किंग साइट पर फोटो अपलोड करने के बाद कुछ लोगों ने मुझे मॉन्स्टर और एलियन कह डाला था लेकिन मुझे इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। मेरे मानना है कि मेरा कद भगवान की देन है और मेरा काम दूसरों की ओर ज्यादा ध्यान न देते हुए लोगों को खुश रखना है।

# दलाई लामा के साथ सीधे बात करे चीन : पोम्पियो

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** अपने बीजिंग दौरे से पहले अमेरिका के विदेशमंत्री माइक पोम्पियो ने बुधवार को सांसदों से कहा कि अमेरिका को सार्वजनिक रूप से यह कहना चाहिए कि चीन को दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के साथ बिना पूर्व शर्त के अर्थपूर्ण और सीधी बातचीत करनी चाहिए। चीन सरकार के अधिकारियों और दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के बीच वर्ष 2010 के बाद से कोई औपचारिक बातचीत अथवा मुलाकात नहीं हुई है।

अमेरिका ने दोनों ही पक्षों को प्रेरित किया है कि वह बिना किसी पूर्व शर्त के अर्थपूर्ण और सीधी बातचीत करें ताकि मतभेद दूर हो सकें।

अमेरिका की विदेशी मामलों की सीनेट समिति के सदस्यों की ओर से लिखित प्रश्नों के जवाब में पोम्पियो ने कहा कि चीन के अधिकारियों के साथ अपनी बातचीत में वह तिब्बती लोगों के लिए धर्म और विास की आजादी तथा मानवाधिकार की खातिर दबाव बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि तिब्बत के राजनीतिक कैदियों की रिहाई की भी वह वकालत करेंगे।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने बुधवार को कहा कि पोम्पियो कल चीन जाएंगे और अपने चीनी समकक्ष के साथ साझा चिंता के प्रमुख नियंतण्र और क्षेत्रीय मुद्दों तथा द्विपक्षीय संबंधों पर विचारों का आदान प्रदान करेंगे।

पोम्पियो ने कहा, मेरा सुझाव तो यह है कि अमेरिका सार्वजनिक तौर पर और सरकार के सर्वोच्च स्तरों पर यह कहे कि चीन के अधिकारियों को मतभेदों को दूर करने और तनाव कम करने के लिए दलाई लामा या उनके अधिकारियों के साथ बिना किसी पूर्व शर्त के अर्थपूर्ण और सीधी बातचीत करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वह तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र तक अमेरिकी पत्रकारों, राजनयिकों, विद्वानों और अन्य की नियमित पहुंच नहीं होने का मुद्दा भी उठाएंगे।

पोम्पियो ने अपनी नियुक्ति की अनुमोदन प्रक्रिया में सवालों के लिखित जवाब पेश किए थे। विदेश मामलों की सीनेट समिति ने इन जवाबों को हाल में जारी किया है।

## अनुबंध में अग्नि नियंतण्र रडार ''हेलफायर लॉन्गबो मिसाइल', स्टिंगर ब्लॉक 92 मिसाइल, नाइट विजन सेंसर एवं जड़त्वीय नौवहन पण्राली की बिक्री भी शामिल है

# अमेरिका भारत को देगा अपाचे

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका ने भारत को 93 करोड़ डॉलर में छह एएच-64ई अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर बेचने के सौदे को मंजूरी दे दी है। अटैक हेलीकॉप्टर के अतिरिक्त इस अनुबंध में अग्नि नियंतण्रडार ''हेलफायर लॉन्गबो मिसाइल', स्टिंगर ब्लॉक 92 मिसाइल, रात में नजर रखने में सक्षम नाइट विजन सेंसर एवं जड़त्वीय नौवहन पण्राली (इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम्स) की बिक्री भी शामिल है।पेंटागन की डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी ने इस संबंध में विदेश मंत्रालय के फैसले को लेकर कांग्रेस को अधिसूचित किया। अगर कोई सांसद इसका विरोध नहीं करता है तो बिक्री की प्रक्रिया आगे बढ़ने की उम्मीद है। पेंटागन ने कांग्रेस को अधिसूचना अगले महीने वाशिंगटन डीसी में भारत और अमेरिका के बीच होने वाली पहले वार्ता से पहले दी है। अगले महीने विदेश मंत्री सुषमा स्वराज एवं रक्षामंत्री निर्मला सीतारमण और उनके अमेरिकी समकक्षों क्रमश: माइक पोम्पिओ एवं जेम्स मैटिस के बीच बैठक होगी।अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन ने आज कहा कि इससे अंदरूनी एवं क्षेत्रीय खतरों से मुकाबले की भारत की क्षमता को मजबूती मिलेगी। अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर बहुभूमिका वाले हेलीकॉप्टर हैं और अमेरिकी सेना एवं कई दूसरे देशों के रक्षा बल इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। हेलीकॉप्टर अपने आगे लगे सेंसर की मदद से रात में उड़ान भर सकता है। कांग्रेस को भेजी गयी अपनी अधिसूचना में पेंटागन ने कहा, इससे अंदरूनी एवं क्षेत्रीय खतरों से मुकाबले की भारत की क्षमता को मजबूती मिलेगी। पेंटागन ने कहा, एएच-64ई के सहयोग से जमीनी बख्तरबंद खतरों से मुकाबले की भारत की रक्षा क्षमता बढ़ेगी और इसका सैन्य बल आधुनिक होगा। इसके अनुसार, उपकरणों की प्रस्तावित बिक्री एवं सहयोग से क्षेत्र में मूलभूत सैन्य संतुलन नहीं बिगड़ेगा।भारत एवं अमेरिका के बीच द्विपक्षीय रक्षा कारोबार वर्ष 2008 से करीब शून्य से 15 अरब डॉलर तक बढा है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, अगले दशक तक सैन्य आधुनिकीकरण पर भारत के अरबों डालर खर्च करने की संभावना है और हम अमेरिकी उद्योग जगत के लिये यह मौका हासिल करने को इच्छुक हैं। ऐसी बिक्रियों से ना सिर्फ हमारे रक्षा सहयोग को समर्थन मिलेगा बल्कि इनसे देश के अंदर नौकरियां भी पैदा होंगी। हाल के वर्षों में अमेरिका ने सरकारी स्तर पर भारत को सी-17 परिवहन विमान, 155 मिमी लाइट-वेट टोड होवित्जर, यूजीएम-84एल हारपून मिसाइल, सपोर्ट फॉर सी-130जे सुपर हरक्युलिस विमान और रासायनिक, जैविक, रेडियो लॉजिकल एवं परमाणु (सीबीआरएन) सहयोग उपकरण बेचे हैं।

*फॉर ड्रैगन बोट फेस्टिवल...चीन के प्रांत गुआंगडोंग के शहर गुआंगजू में बुधवार को हुई ड्रैगन बोट रेस में आए प्रति भागी। इस साल 18 जून को ड्रैगन बोट फेस्टि वल होने जा रहा है जिसके लिए यह रेस करवाई गई। रेस में 12 बोट्स में प्रति भागी पहुंचे थे।*

## 10 साल पुराना हमेर्स बर्किन बैग 1.46 करोड़ रुपये में नीलाम

**लंदन (एजेंसी)।** लंदन में लगभग 10 साल पुराना हमेर्स बर्किन बैग 2,17,144 डॉलर (1.46 करोड़ रुपये) में बिका है। नीलामी में सर्वाधिक कीमत में इस बैग के बिकने से नया यूरोपीय रिकॉर्ड बना है। बीबीसी के मुताबिक, 18 कैरेट व्हाइट गोल्ड डायमंड जड़े लॉक के साथ 2008 हमेर्स बर्किन बैग की कीमत मंगलवार को बढ़कर 1,33,251 डॉलर (90.08 लाख रुपये) से 1,99,877 डॉलर (1.35 करोड़ रुपये) हो गई। इससे पहले नीलामी में सबसे महंगा बैग बिकने का रिकॉर्ड भी हमेर्स बर्किन के ही नाम रहा। वर्ष 2017 में हांगकांग में इस कंपनी का बैग 3,80,000 डॉलर (2.56 करोड़ डॉलर) में बिका था। नीलामी घर क्रिस्टी ने कहा, यह निर्विवाद रूप से दुनिया का सबसे कीमती बैग है।

## रूस के समर्थन में सीरिया ने अमेरिका और इजराइल पर लगाया ये बड़ा आरोप

**दमिश्क (एजेंसी)।** सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद ने कहा है कि देश के दक्षिणी हिस्से के भविष्य को लेकर मॉस्को की अगुवाई में बातचीत हो रही है। हालांकि उन्होंने कहा कि इजराइल और अमेरिका बातचीत से होने वाले समझौते में अवरोध पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। आलम टेलीविजन चैनल के साथ साक्षात्कार में असद ने कहा कि सत्ता समर्थक बलों ने अप्रैल में विद्रोहियों से घौटा हथिया लिया था जिसके बाद माना जा रहा था कि हम दक्षिण की तरफ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, ''हमें दो परिस्थितयों का सामना करना पड़ रहा है ... सुलह या बल द्वारा मुक्ति ... इस मुद्दे पर रूसियों ने सुलह का अवसर तलाशने की संभावना का सुझाव दिया है।

**उन्होंने कहा,** '' अब तक कोई ठोस परिणाम नहीं निकल पाया है जिसका सामान्य कारण इस्त्राइल और अमेरिका का हस्तक्षेप है। वे उस इलाके के आतंकवादियों पर किसी भी समझौते या शांतिपूर्ण समाधान तक पहुंचने से रोकने के लिए दबाव बना रहे हैं।

# पाकिस्तान: अल्लाह-ओ-अकबर तहरीक पार्टी से चुनाव लड़ेगी हाफिज सईद की एमएमएल

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** हाफिज सईद से संबंद्ध मिल्ली मुस्लिम लीग (एमएमएल) ने आगामी आमचुनाव नहीं लड़ पाएगी। जिसके बाद हाफिज़ ने एक ऐसी पार्टी के नाम का इस्तेमाल करने का फैसला किया है जिसे बहुत अधिक पहचान नहीं मिली है। यह निर्णय एमएमएल को राजनीतिक दल के रूप में पंजीकृत करने के आवेदन को दूसरी बार खारिज करने के पाकिस्तान के चुनाव आयोग के फैसले के बाद लिया गया है। एमएमएल मुंबई हमले के मास्टरमाइंड सईद के प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा का सहयोगी संगठन है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने खबर दी है कि 25 जुलाई को होने वाले चुनाव में एमएमल के समर्थित करीब 200 प्रत्याशी अल्लाह-ओ-अकबर तहरीक (एएटी) पार्टी के तहत मैदान में होंगे। एएटी पहले से ही पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) में पंजीकृत है। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कल एक बार फिर पंजीकरण के लिए एमएमएल के आवेदन को ठुकरा दिया था। एमएमएल ने घोषणा की है कि चुनाव से पहले अगर शीर्ष न्यायालयों का निर्णय उनके पक्ष में नहीं आता है तो पार्टी द्वारा समर्थित उम्मीदवार एएटी के मंच से चुनाव में भाग लेंगे। ईसीपी की सूची में मान्यता प्राप्त दलों में एएटी 10 वें नंबर पर है। एएटी कम पहचान पाने वाली पार्टी है जिसके अध्यक्ष बहावलपुर के मियां इहसान बारी हैं। ईसीपी ने उसे 'कुर्सी' चुनाव चिह्न आवंटित किया है। ईसीपी की चार सदस्यीय खंडपीठ ने गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट के आधार पर एमएमएल के आवेदन को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि पार्टी जेयूडी प्रमुख सईद की विचारधारा का पालन करती है।

**कौन-कौन है मैदान में**

**नवाज की पार्टी पीएमएल-एन सबसे आगे**

'गैलप पोल' के अनुसार इस बार भी नवाज़ शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन के जीतने की काफी संभावनाएं हैं। इस पोल में पीएमएल-एन की अप्रूवल रेटिंग 38 प्रतिशत है जबकि इसके विरोधियों को 13 फीसदी अप्रूवर रेटिंग मिली है। पनामा पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में उन पर चुनाव जीतकर हासिल होने वाले किसी भी सरकारी पद या पार्टी में कोई पद धारण करने पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन फिर भी वो अभी पार्टी का चेहरा हैं और चुनावों के लिए प्रचार कर रहे हैं, पार्टी की कमान इस समय उनके भाई शाहबाज़ शरीफ ने संभाल रखी है।

**तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी**

दूसरी सबसे बड़ी पार्टी जो पीएमएम-एन को टक्कर दे सकती है वो पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के पूर्व कैप्टन और तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के मुखिया इमरान खान की पार्टी है। 2013 के चुनावों में उनका वोट प्रतिशत नवाज़ शरीफ की पार्टी के बाद सबसे ज़्यादा था और दिनों-दिन उनकी पार्टी की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। तीसरी सबसे बड़ी पार्टी 'पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी' यानि 'पीपीपी' है। इसकी बागडोर अब बिलावह भुट्टो ज़रदारी के हाथों में है। बिलावल भुट्टो पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बेनज़ीर भुट्टो व आसिफ अली ज़रदारी के बेटे हैं। ये पाकिस्तान में संभवत: एकमात्र ऐसी मेनस्ट्रीम वाली पार्टी है जिसका झुकाव लेफ्ट विचारधारा की ओर है। इन बड़ी पार्टियों के अलावा पाकिस्तान के पूर्व सैन्य प्रमुख परवेज़ मुशर्रफ़ लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज़ सईद की पार्टी 'अल्लाह-हू-अकबर तहरीक' (एएटी) भी मैदान में होगी।

मोरा गांव प्राथमिक स्कूल में लड़की पढ़ाओ और प्रवेश उत्सव महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूली बच्चों को स्कूल की किताबे, कापीयाँ और स्कूल बैग वितरित किए गए।

सूरत। एस.एम.सी द्वारा योग सीखाने के लिए शिविर का आयोजन सुभाष नगर कोम्युनीटि हाल, संजय नगर सर्कल के पास लिंबायत में किया गया।

छह हजार से ज्यादा बच्चे एडमिशन से वंचित

# सत्र शुरू हो गया अभी आरटीई के दूसरे राउन्ड का ठिकाना नहीं

अहमदाबाद । नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत हो चुकी है तब आरटीई (राइट टू एज्यूकेशन एक्ट) में एडमिशन के प्रथम राउन्ड के बाद दूसरे राउन्ड की तय सीमा के अभी भी कोई ठिकाना नहीं है । अहमदाबाद जिला के छह हजार से ज्यादा बच्चे दूसरे राउन्ड के लिए एडमिशन से वंचित रह गये है । उनका अभी भी आरटीई एडमिशन लेने के लिए १५ दिन से ज्यादा समय इंतजार करना पड़े ऐसा लग रहा है । जिसे लेकर एक तरफ विद्यार्थियों के अभिभावक चिंता और उलझन में है तो दूसरी तरफ, सरकार का उदासीन रवैये के कारण विद्यार्थियों के अभ्यास पर असर होने की संभावना है ।

राज्यभर में आरटीई के तहत १,१५,९२० विद्यार्थियों को प्रवेश योग्य माना था इसमें से पहले राउन्ड में ८०,१६७ विद्यार्थियों को एडमिशन आवंटित कराया गया है । इसी वजह से राज्यभर में आरटीई के योग्यता वाले ४५,७५३ विद्यार्थी अभी दूसरे राउन्ड के लिए प्रवेश से वंचित रह गया है। अल्पसंख्यक स्कूलों ने हाईकोर्ट में पीटिशन की वजह से मंगलवार को हुई सुनवाई अब आगामी १८ जून को अगली सुनवाई होगी और उसके बाद ही आरटीई एडमिशन के लिए दूसरे राउन्ड की प्रक्रिया शुरू की जाए ऐसी संभावना की वजह से विद्यार्थियों की पढ़ाई आदि के दिनों को बढ़ाया जाए ऐसी संभावना है । कई अभिभावक बच्चे की पढ़ाई नहीं बिगड़े इसके लिए अब निजी स्कूलों में बच्चे को एडमिशन दिलाने के लिए मजबूरी से आगे बढ़ रहे है। १८ मई को प्रथम प्रवेश सूची की घोषणा की गई थी। इसके बाद २ जून को दूसरी सूची की घोषणा करने की थी । हाईकोर्ट में केस चल रहे होने के कारण स्कूल शुरू हुई फिर भी दूसरी प्रवेश सूची की घोषणा नहीं होने से अभिभावक उलझन में है। अभी आगामी सप्ताह तक दूसरी सूची की घोषणा नहीं होने के कारण बच्चों का २० से ३० दिन का अभ्यास नहीं होगा । अहमदाबाद शहर की १७,८७४ अर्जी मान्य हुई थी । ४४ अर्जी रिजेक्ट की गई थी ।

## डिमलिशन के दौरान हार्टअटेक से एक वृद्ध की मौत

सूरत। शहर के कतारगाम क्षेत्र में महानगर पालिका की अतिक्रमण हटाओं कार्यवाही के दौरान एक वृद्ध की हृदय गति रुकने से मौत हो गई। मामला गंभीर होते देख महानग पाकिा की टीम कार्यवाही रोक वापस लौट गई। जानकारी के मुताबिक सूरत महानगर पालिका की टीम ने शहर के कतारगाम क्षेत्र की एक जगह पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शुरु की थी। कार्यवाही के दौरान एक वृद्ध वहां पहुंच गए और कुछ भी गैरकानूनी नहीं होने का दावा करते हुए प्रमाण भी दिए। इसके बावजूद वृद्ध की बातों का अनसुना कर महानगर पालिका की टीम ने कार्यवाही जारी रखी। इसी दौरान वृद्ध हार्टअटेक से वहीं ढेर हो गया। ताबड़तोड़ वृद्ध को अस्पताल रवाना किया। लेकिन रास्ते में ही वृद्ध ने दम तोड़ दिया। वृद्ध के परिजनों ने आरोप लगाया कि महानगर पालिका की टीम बिना कोई नोटिस दिए कार्यवाही करने आई थी।

# सूरत में फैशन इंडस्ट्री को बढ़ावा देने IDT का प्रयास, पांच स्थानीय कपडा इंडस्ट्री से मिलाया हाथ

**सूरत में पहली बार सूरत की पांच विख्यात ब्रांड IDT के लिए छात्र तैयार करेंगे गारमेंट्स**

सूरत : कपडा इंडस्ट्री के साथ-साथ सूरत में फैशन इंडस्ट्री को भी बढ़ावा मिले इसलिए पहली बार सूरत की किसी फैशन इंस्टिट्यूट ने प्रयास शुरू किया है और वह फैशन इंस्टिट्यूट IDT है । IDT ने सूरत की पांच नामी इंडस्ट्री के साथ हाथ मिलाया है और इन इंडस्ट्री की ब्रांड के लिए IDT के विद्यार्थी गारमेंट्स डिज़ाइन करेंगे। IDT के डायरेक्टर अशोक गोयल ने बताया की सूरत में देश की बड़ी कपडा इंडस्ट्री होने के बावजूद इस इंडस्ट्री को अपने कपड़ो को डिज़ाइन करने मुंबई या अन्य शहरों के फैशन डिज़ाइनरों पर आधार रखना पड़ता है, जबकि कपडा उद्योग के साथ ही फैशन इंडस्ट्री भी यहाँ पैर जमा सकती है। जरुरत है सिर्फ आगे बढ़ने की और इसके लिए IDT ने अपने प्रयास शुरू कर दिए है। हाल ही में IDT से जुड़े सूरत के इंडस्ट्रियलिस्ट राकेश सरावगी और धवल दोडीया तथा IDT के डायरेक्टर अनुपम गोयल ने विख्यात फैशन डिज़ाइनर नीता लुल्ला से मुंबई में मुलाकात की और सूरत में फैशन इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के प्रयासों के बारे में बताया । नीता लुल्ला ने भी सूरत की कपडा इंडस्ट्री के साथ जोड़कर फैशन इंडस्ट्रीज को किस तरह आगे बढ़ाया जा सकता है इसपर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया । इससे पहले IDT के डायरेक्टर अनुपम गोयल ने सूरत के पांच नामी इंडस्ट्रियलिस्टों के समक्ष यह प्रस्ताव रखा था, जिसकी सराहना करते हुए लक्ष्मीपति साड़ी के राकेश सरावगी, आलिया फैब्रिक्स के पुरुषोत्तम झुनझुनवाला, रूद्र डिजिटल के शालीनजी, पार्वती साड़ी के विकास पचेरीवाल और इलायची लिमिटेड के अल्पेशभाई ने हर संभव सहयोग देने की बात कहते हुए अपनी ब्रांड के लिए गारमेंट्स डिज़ाइन करने का कार्य IDT के विद्यार्थिओं को सौपा है । इनके लिए अब IDT के विद्यार्थी कुर्ता, साड़ी, लहंगे आदि डिज़ाइन करेंगे । लक्ष्मीपति साड़ी के डायरेक्टर राकेश सरावगी ने बताया की जो इंस्टिट्यूट में सीखता है उसके साथ-साथ यदि इंडस्ट्री का ज्ञान भी मिल जाये तो सूरत की इंडस्ट्री के लिए बहुत उपयोगी होगा। IDT के डायरेक्टर अनुपम गोयल ने बताया की इन प्रयासों का एक ही उद्देश्य है की सूरत की इंडस्ट्री को भी जरूरतमंद कमर्शियल डिज़ाइनर मिले और विद्यार्थीओ की क्रिएटिविटी तथा सूरत इंडस्ट्री साथ मिल जाये तो बहुत प्रोजेक्ट किये जा सकते और इसीको देखते हुए सूरत की पांच इंडस्ट्री पर भरोसा जताया है।

# चाकू की नोक पर युवक का अपहरण

**मामूली झगड़ा की दुश्मनी में युवक का अपहरण करके एसजी हाईवे झायडस अस्पताल के पास ले जाकर पीटा**

अहमदाबाद । एलिसब्रिज के कोचरब गांव में रहते एक युवक की मामूली दुर्घटना के झगड़े में तीन शख्सों ने दुश्मनी रखकर चाकू की नोक पर अपहरण करके इसे एसजी हाईवे पर झायडस अस्पताल के पीछे अज्ञात जगह पर ले जाकर बेरहमी से पीटने की घटना सामने आने पर भारी सनसनी मच गई है। युवक की शिकायत के आधार पर पालडी पुलिस सक्रिय हो गई और शुरू की गई गहन जांच में एक अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया था । हालांकि अभी इस प्रकरण में तीन आरोपी फरार है । पुलिस ने उनको गिरफ्तार करने के लिए खोजबीन शुरू कर दी है । इस बारे में यह जानकारी है कि, एलिसब्रिज के कोचरब गांव में स्थित पटेल वास में कैवन पटेल (उम्र.२९) अपने परिवार के साथ रहते है । गत दिन रात को कैवन अपना एक्टिवा लेकर मलाव तालाब के पास स्थित अंबाजी माताजी के मंदिर में दर्शन करने के लिए गया था ।

दर्शन करके वापस आ रहा था तब पालडी विकासगृह रोड पर पीछे से एक एक्टिवाचालक ने कैवन के एक्टिवा को टक्कर मार दी । जिसकी वजह से इसे देखकर एक्टिवा चलाये यह कहा था । एक्टिवाचालक के पीछे बैठे एक युवक ने उतरकर और कैवन को थप्पड़ मार दिया था और विवाद किया था । इस दौरान स्कोर्पियो कार लेकर एक शख्स आया था । क्यों झगड़ा कर रहे हो चलो पुलिस स्टेशन यह कहकर एक्टिवा पर आये दोनों शख्स और कैवन गाडी में बैठ गये थे । इस दौरान में कार धरणीधर की तरफ जाते कैवन ने पुलिस स्टेशन के जाने का कहने पर एक्टिवा पर आये दो में से एक शख्स ने चाकू बताकर चुपचाप बैठे रहने के लिए कहा था । कैवन को झायडस अस्पताल के पीछे अज्ञात ज गह पर ले जाकर तीन शख्सों ने डंडे से पिटाई की । इस दौरान अन्य एक शख्स भी वहां आया था और विवाद करके कैवन की पिटाई की थी ।

हार्दिक पटेल के बयान से राजनीतिक खलबली

# रुपाणी का इस्तीफा ले लिया गया है, दस दिन में नया सीएम

**रुपाणी ने कहा, मुझे जानकारी नहीं है हार्दिक झूठ फैला रहा है : नीतिन पटेल भी रुपाणी के बचाव में उतर गये**

अहमदाबाद । पास के कन्वीनर और पाटीदार नेता हार्दिक पटेल के एक विवादित बयान को लेकर राज्यभर में फिर एकबार खलबली मच गई है । गुरुवार को राजकोट में आये हार्दिक पटेल ने दावा किया है कि, सीएम रुपाणी का इस्तीफा ले लिया गया है, आगामी १० दिन में नया सीएम के तौर पर पाटीदार या क्षत्रिय समाज में से बनेगा । दूसरी तरफ यह पूरे मामले में मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि, इस बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है । इस्तीफा कैबिनेट में नहीं राज भवन में देना होता है । हार्दिक झूठ फैला रहे है। इस्तीफा नहीं दिया है और देना भी नहीं है । दूसरी तरफ, उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल भी रुपाणी के बचाव में उतर आये थे और बताया है कि, कई लोग अफवाह फैला रहे है, जय-वीरू की जोड़ी कायम रहेगी ।

पास के नेता हार्दिक पटेल ने आगे बताया है कि, गत दिन कैबिनेट की बैठक हुई थी तब मुख्यमंत्री रुपाणी का इस्तीफा ले लिया गया है । उनका इस्तीफा आगामी दिनों में मंजूर किया जाएगा । आगामी सीएम के तौर पर चेहरा क्षत्रिय या पाटीदार होगा । प्रदीपसिंह जाडेजा और भीखूभाई दलसाणीया के नाम हार्दिक ने सीएम के दावेदार के लिए लिया था । भाजपा ने इस मामले में कब से काम शुरू कर दिया है । विजय रुपाणी गुज रात के सीएम बने है तब से कानूनी व्यवस्था से लेकर राज्य की व्यवस्था, शिक्षा की व्यवस्था नहीं संभाल पाने के कारण है । आगामी लोकसभा में यदि विजय रुपाणी ही सीएम होंगे तो गुज रात में लोकसभा की कुछ सीटें गंवाना पड़ेगा और इसी वजह से हाईकमान्ड ने सीएम बदलने का निर्णय लिया है यह हार्दिक ने बताया है। आपकी बात अफवाह है यह रुपाणी की प्रतिक्रिया को लेकर पूछे गये प्रश्न के जवाब में हार्दिक ने बताया है कि, यदि मेरी बात अफवाह हो तो क्यों मीडिया चला रहा है, समय आएगा तो सभी को मालूम हो जाएगा । मेरा दावा है कि, क्षत्रिय या पाटीदार को मुख्यमंत्री बनाने की भाजपा को इच्छा है ।

# अहमदाबाद, सूरत और भावनगर को मिले नए महापौर-उप महापौर

अहमदाबाद राज्य के तीन महानगरों को आज नए महापौर और उप महापौर मिल गए। अहमदाबाद में बिजल पटेल, सूरत में जगदीश पटेल और भावनगर में मनहर मोरी को महापौर नियुक्त किया गया है।

अक्टूबर 2015 में हुए चुनाव के बाद लगातार तीसरी दफा जीत दर्ज कर भाजपा ने अहमदाबाद, सूरत, भावनगर, राजकोट, जामनगर, वडोदरा और जूनागढ़ में सत्ता हासिल की थी। महापौर की ढाई साल की अवधि पूर्ण होने पर आज अहमदाबाद, सूरत, और भावनगर में नए महापौर, उप महापौर और स्थायी समिति के अध्यक्ष समेत पदाधिकारियों के लिए चुनाव हुए। अहमदाबाद महानगर पालिका में शहर के पालडी वार्ड की पार्षद बिजल को महापौर बनाया गया है। जबकि पूर्वी अहमदाबाद के सैजपुर वार्ड के पार्षद दिनेश मकवाणा को उप महापौर, मणीनगर वार्ड के अमूल भट्ट को स्थायी समिति का अध्यक्ष चुना गया। महानगर पालिका की सामान्य बैठक में बिजल पटेल ने कांग्रेस की महापौर पद की उम्मीदवार और लांभा वार्ड की पार्षद पलक पटेल के खिलाफ जीत दर्ज की। जबकि दिनेश मकवाणा ने कांग्रेस के महापौर पद के उम्मीदवार और अमराईवाडी वार्ड के पार्षद बलदेव देसाई को मात दी। मणीनगर वार्ड के अमूल भट्ट को स्थायी समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं वासणा वार्ड के पार्षद और पूर्व महापौर अमित शाह को महानगर पालिका में पार्टी नेता पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वहीं सूरत महानगर पालिका में जगदीश पटेल को महापौर, निरव शाह को उप महापौर और अनिल गोपलाणी को स्थायी समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। पहली ढाई साल की अवधि में सौराष्ट्र की अस्मिता शिरोया महापौर थी और चर्चा थी कि दूसरे अवधि में सूरत मूल की किसी व्यक्ति को महापौर बनाया जाएगा। लेकिन इन सभी अटकलों उस समय विराम लग गया, जब सौराष्ट्र मूलके डॉ. जगदीश पटेल को महापौर चुन लिया गया। सूरत महानगर पालिका में गिरजाशंकर मिश्रा को पार्टी के नेता नियुक्त किया गया है। इसके अलावा भावनगर महानगर पालिका में मनहर मोरी को महापौर और उप महापौर की जिम्मेदारी अशोक बारैया को सौंपी गई है। वहीं राजकोट महानगर पालिका के महापौर, उप महापौर समेत पदाधिकारियों का चुनाव शुक्रवार होगा। जानकारी के मुताबिक महापौर पद की रेस में जागृति घाडिया और बीना आचार्य का नाम चर्चा में है। जबकि उप महापौर पद के लिए मनीष राडिया, बाबू आहिर और अश्विन मोलिया मुख्य दावेदार हैं। इसके अलावा स्थायी समिति के अध्यक्ष के लिए कमलेश मिराणी और कश्यप जोशी का नाम चर्चा में है।

विभिन्न क्षेत्रों में ५.५० लाख के मालसामान की चोरी

# आभूषण-कीमती माल सामान की चोरी करती हुई गैंग सक्रिय

अहमदाबाद। शहर में पिछले कई दिनों से एक-दो व्यक्तियों की नजरों से बचकर सोना-चांदी के आभूषण सहित कीमती मालसामान की चोरी करती गैंग सक्रिय होने पर लोगों में दहशत की भावना फैल चुकी है । सिर्फ ३६ घंटे के दौरान शहर के कृष्णनगर, निकोल, ईसनपुर और सोला सहित के क्षेत्रों में नजरों से बचकर चोरी करने की घटना में लोगों ने करीब ५.५० लाख रुपये का मालसामान गंवाया है । इस घटना की वजह से संबंधित क्षेत्र की पुलिस ने जरूरी अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है और गैंग के सदस्यों को गिरफ्तार करने के लिए सक्रिय हो गई है । इस बारे में यह जानकारी है कि, सैज पुर टावर के निकट कुबेरदास की चाली में रहती कोकिलाबहन सुरेशभाई शर्मा नाम की महिला इस क्षेत्र में फदेली रोड पर तखतेश्वर महादेव के मंदिर के पास से जा रही थी तब दो शख्सों ने इसे रोककर विश्वास में लेकर नजरों से बचकर दो लाख रुपये के सोना-आभूषण की चोरी कर ली । खुद आभूषण गंवाये होने का अहसास होने पर इस महिला ने कृष्णनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी थी । जबकि निकोल में सामवेद के पास स्थित श्रीमत फ्लेट में रहते हर्षभाई कनुभाई चौहाण निकोल सरदार मॉल के पास अपना एक्टिवा पार्क करके खड़े थे तब किसी शख्स ने इनकी नजरों से बचकर एक्टिवा की डेकी में से ९० हजार रुपये की रकम की चोरी कर ली । इसके अलावा नाना चिलोडा में स्थित पुष्कर होम में रहती हेमाबहन मनीषभाई जीवना की नाम की युवती इसनपुर चार रास्ते से ऑटो रिक्शा में विशालनगर तरफ जाने के लिए बैठी थी । इस रिक्शा में पहले से बैठे तीन चोर हेमाबहन की नजरों से बचकर उनके बैग में से सोने के आभूषण और नकद मिलाकर ८५००० रुपये की मालसामान की चोरी करके फरार हो गये थे ।



सूरत। आर.के.टी मार्केट रिंग रोड़ सूरत में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में व्यापारियों तथा कर्मचारियों रक्तदान किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com